

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय (SC)** ने एक **वर्षिषज्ज समति** का गठन किया जिसका उद्देश्य **नवीकरणीय/अक्षय ऊर्जा** स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देकर देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के साथ संकटापन्न पक्षी **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** के **संरक्षण और सुरक्षा को संतुलित करना** है।

- ये बड़े पंखों वाले पक्षी वलुपुत होने की कगार पर हैं जिसका एक कारण गुजरात और राजस्थान में इनके मुख्य प्राकृतिक वास के नकिट से गुजरने वाले **उच्च ऊर्जा वाले वदियुत तार** हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड क्या है?

- **परचिय:**
 - **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (Ardeotis nigriceps)** राजस्थान का राजकीय पक्षी है और भारत का सबसे गंभीर रूप से संकटापन्न पक्षी माना जाता है।
 - यह घास के मैदान की प्रमुख प्रजाति मानी जाती है, जो चरागाह पारस्थितिकी का प्रतिनिधित्व करती है।
 - ये अधिकांशतः राजस्थान और गुजरात में पाए जाते हैं। **महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश** में यह प्रजाति कम संख्या में पाई जाती है।

//

The GIB is among the heaviest birds that can fly



THE GREAT INDIAN BUSTARD

GIB has been put in the Red List of the International Union for Conservation of Nature

DID YOU KNOW?

The Great Indian Bustard was proposed as a candidate for the National Bird of India and was under consideration.



The bird is hunted for its meat in Pakistan

PAKISTAN



It migrates from Rajasthan to Pakistan

THREATS TO THE BIRD

- Annual and perennial non-timber crops
- Renewable energy
- Transportation and power lines
- Human intrusions and disturbance
- Invasive and other problematic species, genes & diseases



2011

The year the species was enlisted in the critically endangered category

Height
3.3ft tall

Weight
18 kg

150

The approx population of the species in 2018

THE GIB IS RESTRICTED TO POCKETS IN

1. Andhra Pradesh
2. Gujarat
3. Karnataka
4. Maharashtra
5. Madhya Pradesh
6. Rajasthan



■ सुभेद्यता:

- ये प्रजाति खतरे की स्थिति में है जिसके प्रमुख कारणों में ऊर्जा ट्रांसमिशन लाइनों के साथ टकराव/वदियुत-आघात से मृत्यु (Electrocution), शिकार (वर्तमान समय में पाकिस्तान में प्रचलित), व्यापक कृषिविस्तार के परिणामस्वरूप नविस स्थान में परिवर्तन और उसका ह्रास शामिल है।
- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) के प्रजनन की दर धीमी होती है। वे एक समय में कुछ ही अंडे देते हैं और लगभग एक वर्ष की अवधि तक माता-पिता द्वारा चूड़ों की देखभाल की जाती है। GIB को परपिक्व होने में लगभग 3-4 वर्ष का समय लगता है।

■ सुरक्षा की स्थिति:

- अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट: गंभीर रूप से संकटग्रस्त
- वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परशिष्ट-1
- प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (CMS): परशिष्ट-1
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-1

GIB की सुरक्षा के लिये किये गए उपाय:

■ प्रजाति पुनर्प्राप्त कार्यक्रम:

- इसे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के वन्यजीव आवास का एकीकृत विकास (IDWH) के तहत प्रजाति पुनर्प्राप्त कार्यक्रम के तहत रखा गया है।

- **जुगनू पक्षी डायवर्टर:**
 - **जुगनू पक्षी डायवर्टर** बजिली लाइनों पर स्थापित फ्लैप हैं। वे GIB जैसी पक्षी प्रजातियों के लिये रफ्लेक्टर(परावर्तक) के रूप में कार्य करते हैं।
 - पक्षी इन्हें लगभग 50 मीटर की दूरी से देख सकते हैं और बजिली लाइनों से टकराव से बचने के लिये अपनी उड़ान का रास्ता बदल सकते हैं।
- **कृत्रिम हैचिंग:**
 - **संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम, 2019** में जंगलों से अंडे एकत्र करके और उन्हें कृत्रिम रूप से अंडे सेने का कार्य शुरू हुआ। 21 जून, 2019 को पहला चूजा निकला और उसका नाम 'यूनो' रखा गया। उस वर्ष आठ और चूजे पैदा हुए एवं उनका पालन-पोषण किया गया तथा उनकी नगिरानी की गई।
 - राजस्थान के दो प्रजनन केंद्रों में कुल 29 GIB रखे गए हैं।
- **राष्ट्रीय बस्टरड पुनर्प्राप्त योजनाएँ:**
 - इसे वर्तमान में संरक्षण एजेंसियों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- **संरक्षण प्रजनन सुविधा:**
 - राजस्थान सरकार और **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)** द्वारा **जून 2019 में जैसलमेर के डेज़र्ट नेशनल पार्क में एक संरक्षण प्रजनन सुविधा** भी स्थापित की गई है।
- **प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टरड:**
 - इसे **राजस्थान सरकार** ने इस प्रजाति के प्रजनन बाड़ों के निर्माण और उनके आवासों पर मानव दबाव को कम करने के लिये **एकुनयादी ढाँचे के विकास के उद्देश्य** से लॉन्च किया है।

डेज़र्ट नेशनल पार्क:

- यह राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर ज़िलों के भीतर भारत की पश्चिमी सीमा पर स्थित है।
- ग्रेट इंडियन बस्टरड, राजस्थान राजकीय पशु (चकिारा) और राजकीय वृक्ष (खेज़री) तथा राजकीय पुष्प (रोहड़ा) इस उद्यान में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं।
- इसे 1980 में यूनेस्को द्वारा विश्व वरिषत स्थल और 1992 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।

कच्छ बस्टरड अभयारण्य:

- **कच्छ बस्टरड अभयारण्य** भारत के गुजरात के कच्छ ज़िले में नलिया के पास स्थित है।
- यह देश का सबसे छोटा अभयारण्य है, जो सरिफ दो वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। अभयारण्य, **जसलाला-परजिन अभयारण्य (Lala-Parijan Sanctuary)** के रूप में भी जाना जाता है, मुख्य रूप से **लुप्तप्राय ग्रेट इंडियन बस्टरड** की सुरक्षा के लिये जुलाई 1992 में घोषित किया गया था।
- अभयारण्य बस्टरड की तीन प्रजातियों का आवास है: ग्रेट इंडियन बस्टरड, लेसर फ्लोरकिन और मैक्वीन बस्टरड।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. एशयाई शेर प्राकृतिक रूप से सरिफ भारत में पाया जाता है।
2. दो-कूबड़ वाला ऊँट प्राकृतिक रूप से सरिफ भारत में पाया जाता है।
3. एक-सींग वाला गँडा प्राकृतिक रूप से सरिफ भारत में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा एक प्राणी समूह संकटापन्न जातियों के संवर्ग के अंतर्गत आता है? (2012)

- (a) भारतीय सारंग, कस्तूरी मृग, लाल पांडा और एशयाई वन्य गधा
- (b) कश्मीरी महामृग, चीतल, नील गाय और भारतीय सारंग
- (c) हमि तेंदुआ, अनूप मृग, रीसस बंदर और सारस (क्रेन)

(d) सहिपुच्छी मेकाक, नील गाय, हनुमान लंगूर और चीतल

उत्तर: (a)

परश्न. भारत के 'मनु राष्ट्रीय उद्यान' के संदर्भ में नमिनलखिति में से कौन-से कथन सही हैं ? (2020)

1. यह दो ज़िलों में वसितुत है ।
2. उद्यान के अंदर कोई मानव वास स्थल नहीं है ।
3. यह 'ग्रेट इंडयिन बस्टर्ड' के प्राकृतकि आवासों में से एक है ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1,2 और 3

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/great-indian-bustards-3>

